प्रेरणा
गलत तरीकों से सफल होने से कई गुना बेहतर है, सही तरीके अपनाकर असफ़ल हो जाना।

सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

मास्क जरूरी, नहीं कोई मजबूरी

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-3 • 03 MARCH TO 09 MARCH 2022 • VOLUME-33 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING | DESIGN | TRAINING

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD
Low Filing Charges &
*Pay Money after the visa
•IELTS •STUDY ABROAD

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.
*T&C apply

ऑपरेशन गंगा : अब तक 15 फ्लाइट से 3350 लोगों की हुई वतन वापसी

17,000 भारतीयों ने छोड़ा यूक्रेन

नई दिल्ली. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बताया कि ऑपरेशन गंगा के तहत यूक्रेन छोड़ने वाले भारतीयों की संख्या में तेज़ी से वृद्धि हुई है। अनुमान है कि अभी तक लगभग 17,000 भारतीय नागरिक यूक्रेन की सीमाओं को छोड़ चुके हैं। खार्किव में जो भारतीय फंसे हैं, उन्हें तुरंत वहां से किसी दूसरी जगह चले जाने का एडवाइजरी जारी की गई है। इसके लिए खार्किव के पास की तीन जगह (पिसोचिन,बेज़लुडोव्का और बाबे) सुरक्षित जोन बताई गई हैं। नागरिकों को आज 6 बजे (यूक्रेनी समय) तक इन इलाकों में पहुंचने को कहा गया।

क्या पीएम नरेंद्र मोदी आज रात फिर से रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात करेंगे इसके जवाब में अरिंदम बागची ने कहा कि पीएम मोदी कई देशों के नेताओं से बात कर रहे हैं। जब भी ऐसी बातचीत होती है तो हम आपके साथ साझा करते हैं। मैं पहले से कुछ नहीं कहना चाहूंगा। अरिंदम बागची ने कहा कि जिन लोगों ने अपना भारतीय पासपोर्ट खो दिया है, उन्हें आपातकालीन प्रमाणपत्र जारी करने के लिए एक क्रियाविधि स्थापित की गई है। मुझे लगता है कि इससे कई भारतीय छात्रों को भी मदद मिलेगी। यूक्रेन में रहने वाले एक भारतीय नागरिक चंदन जिंदल की प्राकृतिक कारणों से मृत्यु हुई है। उनका परिवार भी यूक्रेन में है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि एडवाइजरी रूसी पक्ष से प्राप्त इनपुट के आधार पर जारी की गई है। हमने खुद से एडवाइजरी में जगह और समय तय नहीं किया है, ये इनपुट पर आधारित है। उन्होंने कहा कि 15 फ्लाइट के जरिए अब तक 3350 भारतीयों को इंडिया वापस लाया गया है।

पीएम मोदी ने की रूस के राष्ट्रपति पुतिन से बात

यूक्रेन के शहरों में रूस की लगातार हो रही बमबारी के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार फिर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात की है। पीएम मोदी ने यूक्रेन से भारतीयों को सुरक्षित निकालने को लेकर राष्ट्रपति पुतिन से बात की। ये बातचीत इसलिए भी अहम है, क्योंकि यूक्रेन के बड़े शहरों पर रूस का हमला तेज हो चुका है और नुकसान काफी ज्यादा हो रहा है। कई लोगों की इन हमलों में मौत हो रही है।

बताया गया है कि यूक्रेन संकट को लेकर पीएम मोदी ने एक बार फिर उच्चस्तरीय बैठक की। इससे पहले पीएम इस मामले को लेकर पांच बैठकें कर चुके हैं। पुतिन से बातचीत के ठीक बाद ये बैठक बुलाई गई जिसमें भारतीयों को सुरक्षित निकालने और आगे की रणनीति को लेकर चर्चा हुई। इससे पहले भी पीएम मोदी यूक्रेन संकट को लेकर पुतिन से बात कर चुके हैं। जिसमें उन्होंने इस मसले को कूटनीति के जरिए हल

करने की बात कही थी। इस दौरान भी पीएम मोदी ने यूक्रेन में फंसे भारतीयों के सेफ पैसेज की बात कही। हालांकि उस वक्त हालात इस तरह नहीं बिगड़े थे।

तीसरा विश्वयुद्ध हुआ तो परमाणु हथियार भी होंगे शामिल : पुतिन

नई दिल्ली. यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध तेज होता जा रहा है। यह युद्ध आज सातवें दिन में पहुंच गया। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने बुधवार को कहा कि अगर तीसरा विश्व युद्ध होता है तो इसमें परमाणु हथियार भी शामिल होंगे और यह विनाशकारी होगा। रूस की सरकारी मीडिया स्पुतनिक ने यह जानकारी दी। यूक्रेन में बमबारी के बीच रूसी सेना ने यूक्रेन के खुरसन शहर पर कब्जा करने का दावा किया है।

लावरोव ने कहा कि अगर यूक्रेन ने परमाणु हथियार हासिल कर लिया तो रूस को 'वास्तविक खतरे' का सामना करना पड़ेगा। रूस ने पिछले हफ्ते यूक्रेन के खिलाफ विशेष सैन्य ऑपरेशन चलाने का ऐलान किया था। यूक्रेन की ओर से कड़े विरोध का सामना कर रहे रूस ने उसके शहरों पर हमले तेज कर दिए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने अमेरिका से मदद मांगते हुए कहा कि 'आक्रमणकारी' को जल्द से जल्द रोकना जरूरी है। रूसी सेना का दावा है कि उसने यूक्रेन के खेरसन पर कब्जा कर लिया है।

रूस की नाटो को चेतावनी, हथियार और हमले पर कही ये बात

नई दिल्ली. यूक्रेन पर हमला करने के साथ-साथ रूस जमकर बयानबाजी भी कर रहा है। परमाणु युद्ध की धमकी के बाद रूस ने अब नाटो को चेतावनी दी है। उसने कहा है कि नाटो लगातार यूक्रेन को हथियार सप्लाई कर रहा है और इस बात की गारंटी नहीं है कि हम जवाब नहीं देंगे। बता दें कि रूस और यूक्रेन की जंग की वजहों में नाटो भी है। दरअसल अमेरिका समेत नाटो के कई सदस्य देश चाहते हैं कि यूक्रेन नाटो का सदस्य बन जाए, लेकिन रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ऐसा किसी भी हालत में नहीं होने देना चाहते हैं। रूस चाहता है कि नाटो अपना विस्तार बंद करे। पुतिन कई बार कह चुके हैं कि यूक्रेन का नाटो में शामिल होना रूस को किसी कीमत पर मंजूर नहीं है। वो इसकी लिखित गारंटी चाहते हैं कि यूक्रेन नाटो में नहीं जाएगा। वहीं, यूक्रेन को रूस से खतरा महसूस होता है, इसलिए वह अपनी आजादी बरकरार रखने के लिए ऐसे सैन्य संगठन की जरूरत महसूस करता है जो उसकी रक्षा कर सके। उसके लिए नाटो से बेहतर कोई दूसरा संगठन नहीं हो सकता।

मुख्यमंत्री ने अन्तरराष्ट्रीय शिवरात्रि मेले का विधिवत् शुभारंभ किया

शिमला. मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने आज मंडी के ऐतिहासिक पड्डल मैदान से विश्वविख्यात अन्तरराष्ट्रीय शिवरात्रि मेले का विधिवत् शुभारंभ किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने मुख्य देवता राज माधोराय के प्रसिद्ध मन्दिर में शीश नवाया तथा पारंपरिक शोभा यात्रा जलेब में भाग लिया जो श्री राज माधोराय मन्दिर से आरम्भ होकर पड्डल मैदान पर समाप्त हुई।

पंजाब पुलिस के साइबर क्राइम विंग द्वारा अश्लील मॉर्फड तस्वीरें प्रसारित करने वाला विद्यार्थी गिरफ्तार

चंडीगढ़. पंजाब पुलिस के साइबर क्राइम विंग ने बुधवार को हाई-टेक हैकिंग टूलज़ का प्रयोग करके राज्य की एक प्रतिष्ठित प्राईवेट यूनिवर्सिटी के फेकल्टी सदस्यों की अश्लील तस्वीरों को प्रसारित करने वाले एक दोषी को गिरफ़्तार किया है। गिरफ्तार किये व्यक्ति की पहचान नवजोश सिंह अटवाल, निवासी आइवरी टावर, सैक्टर-70, एस.ए.एस. नगर के तौर पर हुई है, जोकि इसी यूनिवर्सिटी का विद्यार्थी है। ए.डी.जी.पी साइबर क्राइम ने कहा कि 26 फरवरी, 2022 को उक्त प्राइवेट यूनिवर्सिटी के अधिकारियों से शिकायत प्राप्त हुई थी कि कोई व्यक्ति ज़ूम /ब्लैकबोर्ड एप का प्रयोग करके उनकी ईमेल आईडी, ऑनलाईन अध्यापन सैशनों को हैक कर रहा है और साथ ही अलग-अलग व्हाटसऐप अकाउंट नंबरों के द्वारा फेकल्टी सदस्यों की अश्लील तस्वीरें प्रसारित कर रहा है। शिकायत पर कार्यवाही करते हुये पुलिस स्टेशन स्टेट साइबर क्राइम में आइपीसी की धारा 354 -डी, 509, 120-बी, आई.टी एक्ट-2000 की धारा 66-सी और 67-ए के अंतर्गत एफआईआर दर्ज की गई है।

ए.आई.जी. स्टेट साइबर क्राइम, नीलांबरी जगदाले ने बताया कि स्टेट साइबर क्राइम सेल द्वारा शक्की गतिविधियों संबंधी व्हाटसऐप, ज़ूम और गुग्गल एर्जेसियों के साथ तालमेल किया गया। पूछताछ के दौरान दोषी ने कबूला है कि वह अलग-अलग पोर्न वैबसाईटों से पोर्न सामग्री को डाउनलोड करता था और फिर अपनी यूनिवर्सिटी के फेकल्टी सदस्यों की तस्वीरों के साथ मॉर्फ करता था।

क्या विडंबना है लोगों को स्वच्छता के लिए भी प्रेरित करना पड़ रहा है...

कौन है स्वच्छ भारत मिशन का दुश्मन

• **जालंधर ब्रीज.** विशेष रिपोर्टर

भारत पहला ऐसा देश होगा जहां लोगों को स्वच्छ रहने के लिए प्रेरित करने पर करोड़ों रुपए खर्च करने पड़ रहे हैं। परन्तु इतनी धन राशि खर्च करने के बावजूद अधिकारियों और आम लोगों द्वारा उचित प्रयास न किए जाने के कारण स्वच्छता अभियान विफल साबित हुआ है।

पीएम मोदी ने महात्मा गांधी का सपना जोकि 70 वर्ष से अधूरा है, उसकी एवज में स्वच्छ भारत मिशन शुरू किया था और इसकी पहल कदमी में सबसे पहले भारत को खुले में शौच मुक्त बनाने के लिए कई चौराहे और शहर की प्रमुख जगह पर बाथरूम का निर्माण करवाया गया। लेकिन नतीजा फिर वही निकला जो पहले से बनी सरकारी संपत्तियों के साथ आज तक हो रहा है। कई जगह भारत मिशन के तहत नव निर्मित बाथरूम के दयनीय हालत के लिए कौन जिम्मेवार है। जिनको अभी निर्माण हुए 2 से तीन वर्ष ही हुए हैं।

जिक्रयोग्य है कि रख-रखाव हेतु जिन कंपनी के साथ ठेका हुआ है उन्होंने इस पर कोई खास ध्यान नहीं दिया जिससे इसका हालत दिन ब दिन बदतर हो गया है। अगर कोई राहगीर मजबूरी वश इनका इस्तेमाल करना भी चाहे तो कैसे करें। नासमझ लोगों ने तो तम्बाकू, पान-मसाला दीवारों पर थूक कर, रही सही कसर पूरी कर दी है जिससे शहरी महिलाएं तो इसका इस्तेमाल कर ही नहीं सकती और सबसे जरूरी बात इस प्रकार की गंदगी से बीमारी फैलने की भी आशंका है।

सरकार की तरफ से जो भी प्रयास किए जा रहे हैं जिनकी जिम्मेवारी इसकी रख-रखाव, साफ-सफाई आदि की है वे कुंभकर्णी नींद में सोया

• सांसद संतोख सिंह चौधरी के घर के पास सड़क पर लगा कूड़े का ढेर।

ऐसे कैसे होगा भारत स्वच्छ!

• कपूरथला रोड स्थित बस्ती बावा खेल नहर में कूड़ा और प्लास्टिक का अंबार।

हुआ है। यहां ध्यान देने वाली बात है कि वोटों की राजनीति के कारण शहरों में कम्पोस्ट पिट का निर्माण भी लोगों द्वारा नहीं करने दिया जा रहा और विधायक अपनी कुर्सी बचाने के चक्कर में देश की तरक्की में बाधा डालने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने की बजाए उनको सहयोग कर रहे हैं। लोगों को समझना होगा कि शहरों का कूड़ा शहरों में ही हल ना किया गया तो वरियाना डंप जैसे कई और डंप शहर में ही बन जाएंगे और दूर से ही दिल्ली की तरह कूड़े का पहाड़ नज़र आएंगे। ऐसी स्थिति में कूड़े से छुटकारा पाने के लिए करोड़ो रुपए खर्च करने पड़ेंगे।

इसलिए प्रशासन और आम नागरिकों को देश, शहर हित में एक-दूसरे का सहयोग करना होगा। यहां पर प्रशासन को भी कोई ठोस कदम उठाना चाहिए ताकि शरारती किस्म के लोग जिन्हें सरकारी संपत्ति और स्वस्छता का ख्याल नहीं उनपर भारी-भरकम जुर्माना लगाना चाहिए ताकि कोई भी व्यक्ति पान-बीड़ी, मसालों आदि का इस्तेमाल ऐसे सार्वजनिक स्थानों पर करने से डरे। यहां पर सफाई सेवकों को भी उनका बनता उचित सम्मान देना चाहिए। अगर इससे संबंधी छोटी-छोटी बातों का ख्याल न रखा गया तो अगले 50 वर्षों तक इस मिशन को कामयाब नहीं बना सकते।

केंद्र सरकार के अफसरों का ध्यान भी राज्य सरकार से यूटिलाइजेशन सर्टीफिकेट मंगवाने पर रहता है वे अपनी बनती मूलभूत जिम्मेवारी से अक्सर भागते हैं। केंद्र से जो भी फंड जिस कार्य के लिए जारी किया जाता है वे सही ढंग से सही उचित कार्य के लिए खर्च हो भी रहे हैं या नहीं इस पर भी कार्य करना चाहिए ताकि हर मिशन को कामयाब बनाया जा सके।

ध्यान देने वाली बात यह है कि समय रहते अगर कूड़े और साफ-सफाई का उचित प्रबंध नहीं किया गया तो कभी न कभी हम महामारी के चपेट में आ जाएंगे।

भारत से कितना अलग है रूस, समझिए वहां की लाइफस्टाइल

अभी रूस की चर्चा दुनियाभर में है और मीडिया में ये चर्चा हो रही है कि अभी रूस और यूक्रेन में क्या माहौल में है। ऐसे में आज हम आपको बताते हैं कि सामान्य परिस्थितियों में भी लोग कैसे रहते हैं।

अभी रूस और यूक्रेन में सामान्य हालात नहीं है। रूस की ओर से यूक्रेन पर की गई कार्रवाई के बाद अब अमेरिका, ब्रिटेन और जापान ने रूस पर कई तरह के प्रतिबंध लगा दिए हैं। वहीं, रूस में भी लोगों का जनजीवन भी प्रभावित हो रहा है। वैसे सामान्य स्थितियों में भी रूस का जनजीवन और वहां के लोगों की लाइफस्टाइल भारत से काफी अलग है। नियमों से लेकर वहां की कुछ परंपराएं या लोगों की आदतें भारत से अलग है, जिनके बारे में जानना काफी दिलचस्प होगा। ऐसे में रूस और यूक्रेन के विवाद के बीच हम आपको बता रहे हैं कि रूस भारत से कितना अलग है और यहां अब लोग किस तरह से रह रहे हैं। इन नियमों और परंपराओं के बारे में जानकर आप खुद अंदाजा लगा सकते हैं कि वहां रहना मुश्किल है या आसान...

आईडी कार्ड दिखना है जरूरी

रूस के लिए कहा जाता है कि जब भी आप घर से बाहर निकलें तो अपने साथ आईडी कार्ड जरूर रखें। रूस में कई पब्लिक प्लेस जैसे बार, पब आदि में भी पहले आईडी कार्ड देखा जाता है और उसके बाद उनकी एंट्री की जाती है। रूस में कई जगहों पर आईडी कार्ड चेक होता है, इसलिए सलाह दी जाती है कि वहां जब भी बाहर निकलें तो आईडी कार्ड अपने पास रखें। अगर ऐसा नहीं होता है तो आप पर कार्रवाई की जा सकती है।

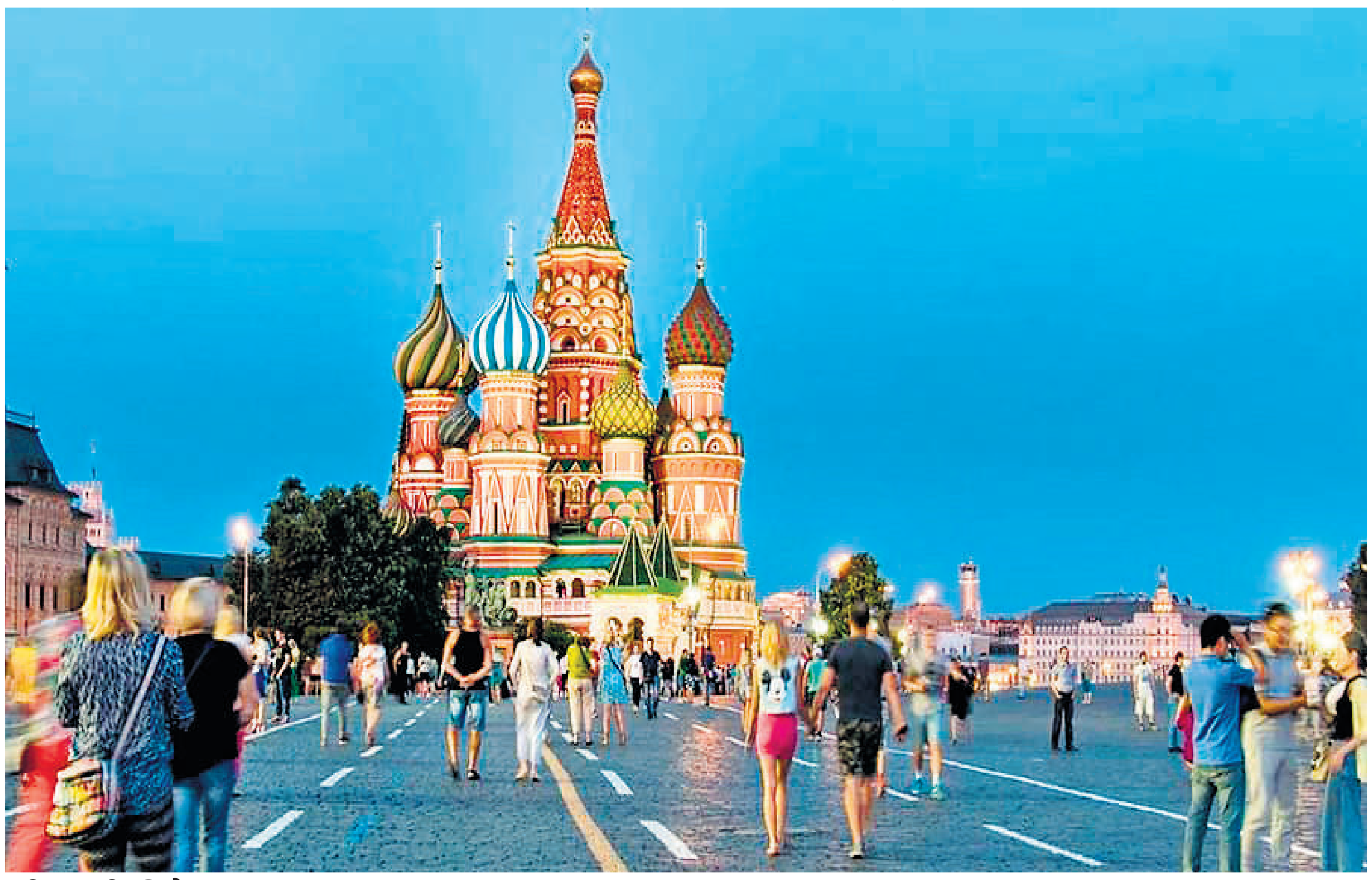

जूते उतारने की है परंपरा

रूस में जब लोग एक दूसरे के घर जाते हैं तो उनके घर में अंदर प्रवेश करने से पहले अपने जूते उतारते हैं। यह भारत में भी कई परिवारों में होता है। जब भी मेहमान किसी के घर जाते हैं तो उन्हें जूते उतारने होते हैं और उसके बाद उन्हें पहनने के लिए tapochki (एक तरह की चप्पल) दी जाती है, जिसे पहनकर घर में प्रवेश करना होता है। साथ ही किसी को इनवाइट किया जाता है तो उसके घर खाली हाथ नहीं जाते हैं और साथ में गिफ्ट ले जाना अनिवार्य होता है।

ईवन नंबर में नहीं देते फूल

रूस के लोगों का मानना है कि जब भी वो किसी को फूल देते हैं तो वो फूल ईवन नंबर में नहीं होते हैं। वे हमेशा ऑड नंबर में ही फूल देते हैं। इसलिए अगर आप रूस जाएं और किसी को फूल दें तो ध्यान रखना कि आप इसकी संख्या ऑड नंबर में ही रखें। इसके लिए पीले फूल भी वहां अशुभ माने जाते हैं और लोग पीले फूल सिर्फ अंतिम संस्कार के वक्त इस्तेमाल नहीं करते हैं।

रात में पै से का लेन-देन नहीं

जिस तरह भारत में लोग कई तरह की मान्यताओं में विश्वास करते हैं, वैसा ही रूस में होता है। कहा जाता है कि वहां अगर किसी को पैसे देने होते हैं तो कोशिश की जाती है कि वो रात में पैसे का लेन देन ना करें। इसलिए रूस के लोग किसी को पैसे देते हैं तो सुबह के वक्त देते हैं और रात में पैसों का आदान-प्रदान कम करते हैं।

जमीन पर नहीं बैठते

कई रिपोर्ट्स में बताया गया है कि रूस के लोग सीधे जमीन पर बैठना शुभ नहीं मानते हैं। अगर वे पिकनिक पर भी जाते हैं तो पार्क में भी कोई कपड़ा बिछाकर ही जमीन पर बैठते हैं और सीधे जमीन पर बैठने से बचते हैं।

सरकारी इमारतों की फोटो क्लिक करना है मना

रूस में सरकारी इमारतें जैसे पुलिस स्टेशन, मिलिट्री इंस्टालेशन, नौकरशाह बिल्डिंग की तस्वीरें नहीं ले सकते हैं। वैसे तो सामान्य तौर पर कोई मना नहीं करता है, लेकिन पुलिस को शक होने पर आप पर पूछताछ की जा सकती है।

TECHNOLOGY +

Truecaller फोन आने से पहले कैसे बता देता है कि कॉल आने वाला है?

आपने नोटिस किया होगा कि जब भी कोई कॉल आने वाला होता है तो उससे पहले ट्रू कॉलर उसका नोटिफिकेशन भेज देता है। तो आज समझते हैं ऐसा कैसे संभव होता है।

जो लोग भी अपने फोन में Truecaller यूज करते हैं, उनके लिए अब किसी के नंबर के बारे में पता करना आसान हो गया है। जब किसी ऐसे व्यक्ति का फोन आता है, जिसका नंबर आपने फोन में सेव नहीं है तो Truecaller बता देता है कि ये फोन किसका होता है। कई मामलों में यह गलत भी साबित होता है और यह दूसरे लोगों के सेव किए नंबर के आधार पर नंबर बताता है। यह फीचर लोगों के काफी काम आता है।

लेकिन, कई बार तो ऐसा होता है कि जब आपके फोन में कोई कॉल आता है तो उससे पहले ही Truecaller आपको उसकी जानकारी दे देता है कि आपको फोन पर कॉल आने वाला है। कभी आपने सोचा है कि आखिर ऐसा क्यों होता है और Truecaller को कैसे पता चलता है कि कॉल आने वाला है। तो आज हम आपको बताते हैं कि इसके पीछे का क्या कारण है...

वैसे आपको बता दें कि ऐसा सिर्फ Trucaller की साथ नहीं होता है, जबकि कई बार मैसेज के साथ होता है। आपको कई बार किसी ऐप्लीकेशन पर ओटीपी डालना होता है, लेकिन ओटीपी का मैसेज आने से पहले ओटीपी खुद ही इंसर्ट हो जाता है। तब भी इस सिस्टम के जरिए ही मैसेज से पहले ऐप्लीकेशन को पता चलता है। ये खास टेक्नोलॉजी ही ऐप्लीकेशन को पहले ही मैसेज या कॉल की जानकारी दे दी है।

ऐसा क्यों होता है?

बता दें कि यह सेल्युलर नेटवर्क और इंटरनेट नेटवर्क की फ्रिकवेंसी की स्पीड में फर्क होने की वजह से होता है। दरअसल, हर टेलीकॉम कंपनियों के नेटवर्क एक तय फ्रीकवेंसी पर काम करते हैं। ये कंपनियां कॉल करने के लिए 450 से 2700 मेगाहट्र्ज के फ्रीकवेंसी का इस्तेमाल करते हैं और ऐप्लीकेशन इंटरनेट फ्रीकवेंसी पर काम करते हैं और ये फ्रीकवेंसी माइनस 2 ग्रीगाहट्र्स के आसपास है। इससे समझा जा सकता है कि इंटरनेट की स्पीड, कॉल से काफी तेज होती है। इस वजह से ऐप्लीकेशन को फ्रीकवेंसी तेज होने की वजह से पहले ही पता चल जाता है।

जब कॉल आता है तो Truecaller रेडियो फ्रीकवेंसी से कॉल का पता कर लेती है और सेल्युलर स्पीड काफी कम होने से कॉल का पता काफी देर बाद में पता चलता है। इस वजह से कुछ सेकेंड पहले ही ऐप्लीकेशन कॉल का पता चल जाता है और हमें बाद में कॉल या मैसेज मिलता है। इससे ऐप्लीकेशन आपको पहले ही बता देता है।

स्पैम कॉल से भी हैं लोग परेशान

बता दें कि Truecaller की एक रिपोर्ट बताती है कि स्पैम कॉल और मैसेज के मामले में दुनिया में सबसे प्रभावित देशों में भारत भी एक है। चौंकाने वाली बात है कि भारत इस लिस्ट में चौथे स्थान पर है। रिपोर्ट बताती है कि भारत में सभी स्पैम को एक साथ जोड़ दें तो उसका 93.5% हिस्सा सेल्स या टेलीमार्केटिंग कॉल थीं। रिपोर्ट बताती है कि इस साल भारत में केवल एक स्पैमर ने 202 मिलियन से अधिक स्पैम कॉल किए। हर दिन के हिसाब से देखें तो यह आंकड़ा 6,64,000 कॉल और हर दिन हर घंटे 27,000 कॉल लोगों के किए गए हैं।

'लग गए 440 वॉल्ट छूने से तेरे...' अगर किसी को सही में इतना करंट लग जाए तो क्या होगा?

440 volt : जब भी किसी को शॉक लगने या झटका लगने की बात होती है तो उसे 440 वॉल्ट के जरिए समझाया जाता है। तो ऐसे में आपका ये समझना जरूरी है कि आखिर 440 वॉल्ट का करंट कितना खतरनाक है...

सलमान खान की एक फिल्म आई थी, जिसका नाम था सुल्तान। सुल्तान में एक गाना था- लग गए 440 वॉल्ट छूने से तेरे... ये गाना काफी हिट हुआ था। लेकिन, कभी आपने सोचा है कि अगर सही में किसी के 440 वॉल्ट का करंट लग जाए तो क्या होगा। इसके अलावा सवाल ये भी है कि जब करंट लगने या शॉक लगने जैसी बात होती है तो 440 वॉल्ट का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में जानते हैं कि 440 वॉल्ट का करंट कितना खतरनाक होता है?

वोल्ट क्या होता है?

अगर आसान भाषा में समझाएं तो वोल्ट किसी भी करंट को आगे बढ़ाने का काम करता है। यह एक तरह से करंट पर आगे बढ़ाने के लिए दबाब बनाता है, जिससे करंट प्रवाहित होता है और यह जितना ज्यादा होता है, उतना ही आवेश ज्यादा होता है और करंट की पावर बढ़ती है।

440 वॉल्ट क्यों है खतरनाक?

अक्सर आपने घरों में देखा होगा कि सिंगर फेज कनेक्शन ही होता है और 440 वॉल्ट के करंट के लिए यह सिंगल फेस पर्याप्त नहीं होता है। ऐसे में अंदाजा लगाइए ये कितना खतरनाक होता है। दरअसल, घरों में सिंगल फेज के जरिए आने वाला करंट सिर्फ 220 वॉल्ट का होता है। इस 220 वॉल्ट के करंट से आपके घर के सभी उपकरण चल जाते हैं, लेकिन 440 वॉल्ट उससे ज्यादा होता है। जब बड़े उपकरण चलाने के लिए थ्री फेज कनेक्शन की आवश्यकता होती है तो थ्री कनेक्शन में 440 वॉल्ट की बिजली आती है यानी यह बड़े उपकरणों को चलाने में सक्षम है और सीधे 440 के वॉल्ट से छोटे उपकरण चलाए जाए तो यह खराब हो जाते हैं।

क्या इंसान की मौत हो सकती है?

कहा जाता है कि वैसे तो करंट से होने वाली मौत कई स्थिति पर निर्भर करती है। लेकिन, इंसान का शरीर ज्यादा वक्त 50 वॉल्ट से ज्यादा नहीं झेल सकता और अगर उन्हें 440 वॉल्ट का करंट लग जाए तो क्या होगा, ये आप खुद अंदाजा लगा सकते हैं।

चाहे जब दर्द की दवा लेने वाले आज समझ लीजिए कि यह आपके शरीर में क्या-क्या करती है

लोग दर्द से आराम के लिए पेन किलर्स का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं पेनकिलर्स का ज्यादा इस्तेमाल शरीर के लिए नुकसानदायक भी हो सकता है।

कई लोगों को आदत है कि वो हल्का सा दर्द होने पर उसे मिटाने के लिए पेन किलर का इस्तेमाल करते हैं और कुछ लोगों को तो इसकी आदत हो जाती है। हो सकता है आपके साथ भी ऐसा हो। लेकिन, बात-बात पर पेनकिलर लेने की आदत को सेहत के हिसाब से ठीक नहीं माना जाता है। कई रिपोर्ट्स में पता चला है कि पेनकिलर्स की ज्यादा डोज शरीर को फायदा करने के बजाय नुकसान पहुंचाती है। ऐसे में आपको ये जानना होगा कि आखिर पेन किलर्स शरीर में किस तरह असर करते हैं।

साथ ही आपको बताते हैं कि जब पेनकिलर्स का शरी में क्या असर होता है और यह शरीर के किन-किन अंगों को प्रभावित करता है... इससे आप समझ जाएंगे कि पेन किलर्स किस तरह आपको नुकसान पहुंचाती है और आपको क्यों इसका ज्यादा सेवन नहीं करना चाहिए...

हार्ट के लिए नुकसानदायक : पेनकिलर दवाइयां दर्द से राहत तो दे सकती हैं, लेकिन वे आपके हार्ट को नुकसान पहुंचा सकती है। यूनिवर्सिटी ऑफ मॉन्ट्रियल हॉस्पिटल रिसर्च सेंटर (CRCHUM) के मिशेल बल्ली के नेतृत्व में एक रिसर्च टीम ने पाया कि नॉनस्टेरॉइडल एंटी-इंफ्लेमेटरी ड्रग्स (NSAIDs) के उपयोग से दिल का दौरा पड़ने का खतरा काफी बढ़ सकता है।

दिमाग पर करती है असर : अमेरिकी वेबसाइट रिट्रीट बिहेवियर हेल्थ की एक रिपोर्ट के अनुसार, पेन किलर्स शरीर के एक नहीं कई भागों पर नेगेटिव असर डालते हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार पेनकिलर्स का दिमाग पर भी असर पड़ता है। कुछ पेनकिलर्स के लंबे इस्तेमाल से इंटरनल ब्लीडिंग, सांस में दिक्कत जैसी दिक्कत होने लगती है। लंबे समय तक चलने वाली समस्याओं में गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याएं, हार्मोनल असंतुलन शामिल है।

सांस में दिक्कत : पेनकिलर्स से श्वसन प्रणाली के फंक्शन में दिक्कत होने लगती है। इससे गंभीर और पुरानी दोनों समस्याएं हो सकती हैं और सांस का अटैक भी आता है। इसके अलावा जो लोग लंबे समय तक इनका इस्तेमाल करके उनके फेफड़ों पर प्रभाव डालता है और इससे कई तरह की दिक्कतें पैदा होने लगती हैं। कई बार इससे निमोनिया जैसी दिक्कत होने की बातें सामने आई हैं।

लिवर पर होता है असर : लिवर का काम खराब पदार्थों और ड्रग्स को संसाधित करना है। जो व्यक्ति जितना ज्यादा इन ड्रग्स का इस्तेमाल करता है, उतना ही ज्यादा उनके लिवर पर असर पड़ता है। इससे लिवर अच्छे से काम नहीं करता है और शरीर में विषाक्त पदार्थ जमा होने लग जाते हैं और लंबे समय तक नुकसान पहुंचा सकते हैं।

पेट पर भी पड़ता है असर : Opioids का पेट और आंतों पर तुरंत प्रभाव पड़ता है। यहां तक इसके इस्तेमाल से कब्ज, सूजन, मतली और उल्टी जैसे दिक्कत भी लोगों को होती है। वहीं, अगर रेग्युलर इसका इस्तेमाल करें तो " नारकोटिक बॉवेल सिंड्रोम' नामक स्थिति हो सकती है। ये दवाइयां पेट के कामकाज को धीमा कर देते हैं और इससे सूजन और उल्टी होने लगती है।

DO YOU KNOW

खूबसूरती को एक अलग अंदाज में करना है कैद, तो फिर अरुणाचल का बोमडिला है बेस्ट ऑप्शन

हर किसी को खूबसूरत शहर बोमडिला की यात्रा जरूर करना चाहिए। इस प्रसिद्ध पहाड़ी शहर में आकर आपको ऐसा लगेगा जैसे आप किसी स्वर्ग में आ गए हों।

बोमडिला अरुणाचल प्रदेश की गोद में बसा का एक सुंदर सा शहर है। अरुणाचल प्रदेश के उत्तर पश्चिमी हिस्से में बोमडिला बसा है। ये जगह हिमालय पर्वत की खूबसूरती को पेश करती है। यहां आप विभिन्न रूपों में प्रकृति की भावना का आनंद उठा सकते हैं। आज हम आपको यहां घूमने वाली कुछ खास जगहों से रूबरू करवाएंगे।

ईगलनेस्ट वन्यजीव अभयारण्य बोमडिला के बेस्ट टूरिस्ट प्लेसेस में एक कह सकते हैं। अगर आप जीव जन्तुओं को देखना पसंद करते हैं, तो फिर यहां का लुत्फ उठा सकते हैं। इस अभयारण्य में कॉर्मोरन्स, हेरोन्स, ब्लैक स्टॉर्क,ओरिएंटल व्हाइट इबिस, डक, हॉक्स, ईगल्स, काइट्स, गिद्ध, फाल्कन्स, फेज़ेंट्स, क्वेल्स, ट्रगोपैन, कोयल, तोते, कबूतर, कठफोड़वा जैसी पक्षी प्रजातियाँ देखी जा सकती है।

आपको बता दें कि लोअर गोम्पा, बोमडिला मठ के डिवीजनों में से एक माना जाता है। यहां पर बौद्ध भिक्षु पूजा करने आते हैं। इस जगह पर आप तिब्बती वास्तुकला का लुत्फ उठा सकते हैं। इसको बोमडिला में घूमने के लिए सबसे अच्छी जगहें में से एक माना गया है आर।आर। हिल, बोमडिला में घूमने के लिए अविश्वसनीय जगहों में से एक माना जाता है। यहां से आप हिमायल की गोद में बसे खूबसूरत और ना भूलने वाले नजारों का लुत्फ उठा सकते हैं। यहां आप अपने पार्टनर के साथ जाते हैं तो सुकून के पल गुजार सकते हैं।

बोमडिला व्यू प्वाइंट बोमडिला के सबसे खूबसूरत प्लेस में से एक है। अगर आप बोमाडिला जाएं तो यहां का भ्रमण जरूर करें। अगर आप अपने फ्रेंड्स के साथ घूमने के लिए बोमडिला का प्लान कर रहे हैं तो यहां जरूर जाएं। बोमडिला व्यू प्वाइंट बर्फ से ढके पहाड़ों के लुभावने दृश्यों को आप हमेशा के लिए कैद कर सकते हैं।

बोमडिला मठ बोमडिला के प्रमुख पर्यटक स्थलों में से एक है। अगर आप बोमडिया जा रहे हैं तो इस मठ को ना घूमें तो कुछ अधूरा सा ही रहेगा। आपको बता दें कि 1965 में निर्मित बोमडिला मठ को जेंटसे गाडेन रब्बल के नाम से भी जाना जाता है। यह बौद्ध धर्म के एक खास रूप को भी पेश करता है।

DO YOU KNOW

इतना महंगा पानी... जिसकी एक बोतल खरीदने के लिए जेब में चाहिए पचास हजार रुपये

क्या आप जानते हैं बाजार में इतना महंगा पानी भी मिलता है, जिसकी एक बोतल के लिए आपको 100-200 नहीं हजारों रुपये खर्च करने पड़ सकते हैं।

एक दिन में आप कई गिलास पानी पीते होंगे और आपके घर में कई लीटर पानी की हर खपत होती होगी, लेकिन आपने पानी की कीमत की तरफ ज्यादा ध्यान नहीं लगाया होगा। लेकिन, दुनिया में कई ऐसे पानी मिलते हैं, अगर वो आप पीना शुरू कर दें तो आपके पानी का बिल इतना आ जाए कि उतने पैसे में आप कई प्रोपर्टी खरीद लेंगे। ऐसे में जानते हैं दुनिया का सबसे महंगा पानी कौनसा है और इसकी कीमत कितनी है।

यह पानी काफी महंगा होता है और ऐसे 750एमएल लीटर पानी के लिए 60,000 डॉलर (43 लाख) खर्च करने पड़ सकते हैं। इसे पूरी दुनिया में सबसे महंगा बोतल में बिकने वाला पानी है। पानी फिजी और फ्रांस में एक नेचुरल स्परींग से आता है। इसकी बोतल 24 कैरेट सोने से बनी हुई है। इस बोतल की पैकिंग की किमत ही सबसे ज्यादा है। वहीं इसके पानी को भी विशिष्ट स्वाद वाला माना जाता है।

कोना निगारी वाटर – यह 29,306 रुपये में 750एमएल पानी आता है। कोना नागरि पानी हवाई से है और प्लास्टिक की बोतलों में बेचा जाता है। इस पानी का इस्तेमाल वजन कम करने के लिए जाता है इससे न केवल आपकी एनर्जी बढ़ती है। बल्कि आपकी त्वचा भी निखरती है। ये पानी हवाई द्वीप से आता है। ये पानी अन्य पानी की तुलना में काफी तेजी से हाइड्रेट करता है।

फिलिको ज्वेल वॉटर– यह 15,965 रुपये में 750 एमएल पानी आता है। ये पानी की बोतल जो जपानी वाटर ब्रेंड है इसे स्वारोवस्की क्रिस्टल से सजाया गया है जो कि एक आइडल गिफ्ट है। मार्केट में इस बोतल के लिमिटेड एडिशन है। पानी से ज्यादा इसकी पैकिंग की अहमियत है। इस पानी की बोतल को देखकर ऐसा लगता है जैसे इसे किसी राजा या रानी के लिए बनाया गया हो। इस बोतल को गोल्डन क्राउन से भी कवर किया गया है। जिसका पानी ओसाका के पास रोक्को माउंटेन से आता है। इस पानी को ग्रेनाइट के माध्यम से फ़िल्टर किया जाता है और इसमें काफी ऑक्सीजन होता है।

बिंलग एच2ओ– यह 2,916 रुपये में 750एमएल पानी आता है। बिंलग एच2ओ पानी संयुक्त राज्य अमेरिका से आता है। जिसका 9 स्टेप के जरिए प्यूरिफिकेशन प्रोसेस किया जाता है। इस पानी को बहुत बार फिल्टर और प्यूरिफाई किया जाता है। इस बोतल को बिंलग बिंलग से सजाया जाता है। जैसे कोई शैंपेन की बोतल हो।

BEAUTY +

चेहरे की बेहतर देखभाल के लिए नीम के साथ इन चीजों को मिलाकर लगाएं

नीम में एंटीबैक्टीरियल गुण, एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण, एंटीसेप्टिक और एंटी-फंगल गुण होते हैं। इसमें विटामिन ई भरपूर मात्रा में होता है। त्वचा के लिए आप ताजी नीम की पत्तियों का इस्तेमाल कर सकते हैं। जानें आप किन चीजों को नीम में मिलाकर इसे ब्यूटी रूटीन का हिस्सा बना सकते हैं।

बढ़ते प्रदूषण और गलत खानपान का बुरा असर हेल्थ ही नहीं स्किन पर भी पड़ता है। इस कारण हमारी स्किन पर रैशेज, पिंपल्स, झुर्रियां व अन्य समस्याएं बनी रहती हैं। इन समस्याओं से निजात पाने के लिए ब्यूटी रूटीन के अलावा सही डाइट का लिया जाना भी बहुत जरूरी है। इन टिप्स के अलावा अगर आप स्किन को बिना नुकसान पहुंचाए उस पर किन्हीं चीजों को लगाना चाहते हैं, तो इस कंडीशन में प्राकृतिक चीजों को इस्तेमाल आपके लिए बेस्ट ऑप्शन साबित हो सकता है। हम बात कर रहे हैं नीम के ब्यूटी बेनेफिट्स की। नीम को त्वचा के लिए बेहद लाभकारी माना जाता है।

इसमें एंटीबैक्टीरियल गुण, एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण, एंटीसेप्टिक और एंटी-फंगल गुण होते हैं। इसमें विटामिन ई भरपूर मात्रा में होता है। त्वचा के लिए आप ताजी नीम की पत्तियों का इस्तेमाल कर सकते हैं। जानें आप किन चीजों को नीम में मिलाकर इसे ब्यूटी रूटीन का हिस्सा बना सकते हैं।

नीम और शहद : अगर आपकी स्किन ऑयली है, तो इसकी देखभाल करने के लिए आप नीम और शहद का फेस पैक बना सकते हैं। इसके लिए 10 से 12 नीम की पत्तियों को पीस लें और इसमें एक चम्मच शहद मिलाकर पेस्ट तैयार करें। इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं और 10 से 15 मिनट तक सूखने दें। अब हल्के हाथों से इसकी चेहरे पर मसाज करें। इस पैक की मदद से चेहरे पर आने वाले एक्स्ट्रा ऑयल को कंट्रोल किया जा सकता है।

नीम और बेसन : इस पैक को बनाने के लिए दो चम्मच बेसन में एक चम्मच गुलाब जल और आधा चम्मच नीम का पाउडर मिलाएं। अब इस पेस्ट को फेस पैक की तरह इस्तेमाल करें। इसे लगाने से पहले चेहरे को क्लीन करना न भूलें। अब इस पैक को चेहरे पर अप्लाई करें और 15 मिनट बाद नॉर्मल पानी से धो लें। इस पैक को हफ्ते में दो बार चेहरे पर लगाया जा सकता है। ऐसा करने से चेहरे पर मौजूद दाग-धब्बे दूर होंगे और स्किन ग्लो भी करेगी।

नीम और एलोवेरा : स्किन केयर में बेस्ट एलोवेरा को नीम के साथ मिलाकर चेहरे पर लगाने से पिंपल्स तो दूर होंगे, साथ ही स्किन हाइड्रेट भी रहेगी। इसके लिए दो चम्मच एलोवेरा जेल में एक चम्मच नीम पाउडर मिलाएं। तैयार किए गए पेस्ट को चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट बाद नॉर्मल पानी से चेहरा धो लें। नीम के गुणों के कारण स्किन पर हुए पिंपल्स को खत्म किया जा सकता है। इस मास्क को चेहरे पर आप हफ्ते में दो बार लगा सकते हैं।

जींद के लाडी हत्याकांड में कोर्ट ने सुनाया फैसला

पत्नी और प्रेमी को आजीवन कारावास की सजा; शराब पिलाकर काटा था पति का गला

कोर्ट ने भारती और उसके प्रेमी गुरदेव को उम्रकैद की सजा सुनाई। दोषी पत्नी को 15 हजार रुपए और प्रेमी को 20 हजार रुपए का जुर्माना भी किया गया है। जुर्माना न भरने की सूरत में दोषी पत्नी को 9 महीने और प्रेमी को एक साल का अतिरिक्त कारावास का भुगतना करना होगा।

हरियाणा के जींद के गांव मलिकपुर में पति की हत्या करने के जुर्म में पत्नी तथा उसके प्रेमी को कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही दोषी पत्नी को 15 हजार रुपये और उसके प्रेमी को 20 हजार रुपये के जुर्माना की भी सजा सुनाई गई है। अगर दोनो दोषी जुर्माने की राशि नहीं भर पाते हैं तो इस सूरत में दोषी पत्नी को 9 महीने और प्रेमी को एक साल की अतिरिक्त सजा काटनी पड़ेगी। दरअसल पति, पत्नी और प्रेमी के प्रेम प्रसंग में बाधा बन रहा था। जिस के बाद पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर 31 अगस्त 2016 को पति की हत्या कर दी। पुलिस ने मृतक के भाई चंद्रभान की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर छानबीन शुरू की तो मामला प्रेम प्रसंग में हत्या का निकला। सफीदों सदर थाना पुलिस ने लाडी हत्याकांड की छानबीन करते हुए जब कड़ियों को जोड़ा तो चौंकाने वाली जानकारी सामने आई। हत्या के चौथे दिन पुलिस ने गुरुदेव उर्फ लख्खा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को पता चला था कि लक्खा के मृतक की पत्नी से नाजायज संबंध हैं। भारती ने पुलिस पूछताछ में अपराध कबूल कर लिया था।

पति शराब पीकर करता था परेशान : बताया गया है कि लाडी की हत्या से करीब 9 महीने पहले उसकी पत्नी भारती की मुलाकात एक निर्माणाधीन मकान में मजदूरी करते समय गुरुदेव से हुई थी। बाद में दोनों की एक-दूसरे से फोन पर बातें होने लगी। इसके बाद दोनों में यह बातचीत प्रेम में बदल गई। भारती को उसका पति लाडी अधिक शराब पीकर परेशान रखता था। इसी वजह से भारती ने अपने प्रेमी लख्खा से उसके पति को मारने का दबाव बनाया। ताकि पति के मरने के बाद दोनों शादी करके हमेशा साथ रहने लगे।

पहले पिलाई शराब फिर काट दिया गला : 30 अगस्त 2016 को लख्खा को भारती ने नींद की गोलियां दी। जिन्हें शराब में मिलाकर पिलाकर मारने की बात कही। ठीक इसी तरह योजनाबद्ध तरीके से शराब पीने की बात कहकर प्रेमी लख्खा शात होते ही लाडी को खेत में ले गया। जहां पर पहले दोनों ने बैठकर शराब पी और बाद में लख्खा ने लाडी का गंडासी से गला काटकर उसकी हत्या कर दी।

कोर्ट ने सुनाई आजीवन कारावास की सजा : प्रेम प्रसंग में हुई लाडी की हत्या के इस केस की सुनवाई जींद के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश जसबीर सिंह संधू की कोर्ट में चल रही थी। कोर्ट ने सबूत और गवाहों के बयान के आधार पर दोनों को हत्या का दोषी माना। सोमवार को कोर्ट ने भारती और उसके प्रेमी गुरदेव को उम्रकैद की सजा सुनाई। दोषी पत्नी को 15 हजार रुपए और प्रेमी को 20 हजार रुपए का जुर्माना भी किया गया। जुर्माना न भरने की सूरत में दोषी पत्नी को नौ महीने तथा प्रेमी को एक वर्ष का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

डेरा प्रमुख गुरमीत राम रहीम फिर जेल पहुंचा, खत्म हुई फरलो

डेरा प्रमुख गुरमीत राम रहीम एक बार फिर सुनारिया जेल लौट आया है। बताया जा रहा है कि डेरा प्रमुख की 21 दिन की फरलो आज यानी 28 फरवरी को पूरी हो गई। इसके साथ ही उसे आज सुबह कड़ी सुरक्षा के बीच गुरुग्राम डेरे से सुनारिया जेल पहुंचा दिया गया।

राम रहीम सुबह करीब 10.15 बजे कुंडली मानेसर पलवल एक्सप्रेस-वे के रास्ते रोहतक के लिए रवाना हुआ। करीब 11:50 बजे सुनारिया जेल में एंट्री ली। डेरा प्रमुख के पहुंचने के मद्देनजर जेल की सुरक्षा बढ़ा दी गई और आसपास के क्षेत्र में भी घेराबंदी की गई है। राम रहीम ने फरलो खत्म होने से एक रात पहले यानी रविवार को डेरे पर जबरदस्त पार्टी की थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रोजाना की अपेक्षा रविवार को डेरे पर सुबह से ही चहल-पहल बढ़ गई थी। रविवार की रात को एक छोटी पार्टी का आयोजन भी हुआ। जिसमें रिश्तेदार व करीबी दोस्त के साथ राम रहीम के शुभ चिंतक शामिल रहे। 21 दिन में राम रहीम अपने सभी करीबियों से मिल चुका है। हत्या और दुष्कर्म मामले में सुनारियां जेल में सजा काट रहे सिरसा डेरा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को 7 फरवरी को फरलो दी गई थी। रविवार को फरलो खत्म हो गई और उसने जेल में सरेंडर कर दिया।

जानिए कितने करोड़ के मालिक हैं महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मालिक, जिन्हें ईडी ने किया है गिरफ्तार

महाराष्ट्र सरकार में मंत्री नवाब मलिक को ईडी ने गिरफ्तार किया है, जिसके बाद से लोग उनकी संपत्ति के बारे में बात कर रहे हैं। ऐसे में जानते हैं नवाब मलिक कितने रुपये के मालिक हैं...

महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और एनसीपी नेता नवाब मलिक को ईडी ने गिरफ्तार कर लिया है। जानकारियों के मुताबिक मुंबई बम ब्लास्ट के आरोपी और दाऊद इब्राहिम से संबंधित लोगों के आर्थिक लेन-देन के मामले में उन्हें गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है कि ईडी ने कुछ दिनों पहले ठाणे जेल से दाऊद इब्राहिम के भाई इकबाल कासकर को कस्टडी में लेकर उससे पूछताछ की। इकबाल कासकर ने अपनी पूछताछ में नवाब मलिक का नाम लिया है। नवाब मलिक के गिरफ्तार होने के बाद उनकी संपत्ति को लेकर बात की जा रही है।

नवाब मलिक की गिरफ्तारी के बाद सोशल मीडिया पर कई तरह की प्रतिक्रिया सामने आ रही हैं और लोग नवाब मलिक की संपत्ति के बारे में जानना चाहते हैं। अगर आपके मन में भी नवाब मलिक की संपत्ति को लेकर सवाल है तो आपको बताते हैं कि महाराष्ट्र के अल्पसंख्यक विभाग के मंत्री मलिक कितनी संपत्ति के मालिक हैं...

कितनी संपत्ति के मालिक हैं नवाब मलिक?

- 2019 में नवाब मलिक की ओर से चुनाव आयोग को दिए गए हलफनामे के अनुसार, उनके पास 4 लाख 54 हजार रुपये नकद है और उनकी पत्नी के पास 97,232 रुपये कैश है।
- वहीं बैंक की बात करें तो नवाब मलिक का बैंक बैलेंस करीब 5 लाख 3 हजार रुपये है जबकि पत्नी के पास करीब 1 लाख 92 हजार रुपये हैं।
- नवाब मलिक के पास 35231 के निवेश बॉन्ड है और पत्नी के नाम 1 करोड़ 13 लाख के बॉन्ड हैं। इसके अलावा 5 लाख की एलआईसी है।
- नवाब मलिक के देनदार 15,16,233 रुपये के हैं और उनके पास करीब 7 लाख रुपये की गाड़ियां और पत्नी के पास 4 लाख की संपत्ति है। उनकी पत्नी के पास 32 लाख 43 हजार रुपये की संपत्ति है। ऐसे में नवाब मलिक के पास 37 लाख 7 हजार रुपये की संपत्ति है और उनकी पत्नी के नाम 1 करोड़ 53 लाख रुपये की संपत्ति है।
- अगर घर, जमीन आदि की बात करें तो नवाब मलिक के पास 1 करोड़ 14 लाख रुपये है। जबकि उनकी पत्नी के पास 2 करोड़ 70 लाख रुपये की अचल संपत्ति है।
- नवाब मलिक पर 19 लाख 49 हजार रुपये का लोन है और उनकी पत्नी के नाम 25 लाख 81 हजार रुपये का लोन है।

कितनी है कमाई?

हलफनामे के अनुसार, उन्होंने साल 2018-19 में 10 लाख 90 हजार रुपये की कमाई की थी। इससे पहले 2017-18 में 11 लाख 83 हजार, 2016-17 में 2 लाख 13 हजार, 2015-16 में 6 लाख 14 हजार रुपये की कमाई की थी।

बता दें कि आठ घंटे की ईडी पूछताछ के बाद जैसे ही नवाब मलिक दक्षिण मुंबई के ईडी कार्यालय से बाहर आए बड़ी तादाद में जमा एनसीपी कार्यकर्ताओं ने 'झुकेंगे नहीं-झुकेंगे नहीं' की घोषणा शुरू कर दी। नवाब मलिक ने भी संकेत देते हुए कहा झुकेंगे नहीं, लड़ेंगे भी और जीतेंगे भी ऐसा हाथ हिलाते हुए अपने कार्यकर्ताओं को इशारा किया। फिलहाल नवाब मलिक को मुंबई के जेजे अस्पताल में मेडिकल चेक अप के लिए लाया गया है। मेडिकल चेक अप के बाद उन्हें अदालत में हाजिर कर उनकी कस्टडी की मांग की जाएगी।

रेल पटरियों के किनारे लगे बोर्ड पर क्यों लिखा होता है W/L और यह कैसे लोगों को खतरे से बचाता है?

क्रॉसिंग के आसपास से गुजरते वक्त कभी न कभी आपकी नजर पटरियों के किनारे पर लगे एक बोर्ड पर पड़ी होगी, जिस पर W/L लिखा होता है। जानिए, इसका काम क्या होता है और यह कैसे लोगों की जान बचाता है।

क्रॉसिंग के आसपास से गुजरते वक्त कभी न कभी आपकी नजर पटरियों के किनारे पर लगे एक बोर्ड पर पड़ी होगी, जिस पर W/L लिखा होता है। कभी सोचा है कि इसका मतलब क्या होता है। इस बोर्ड का सीधा कनेक्शन लोगों की सुरक्षा से जुड़ा होता है। W/L का मतलब होता है, Whistle / Level Board। इसे पटरियों के दोनों तरफ लगाया जाता है, जानिए, इसका काम क्या होता है और यह कैसे लोगों की जान बचाता है।

भारतीय रेलवे की ऑफिशियल वेबसाइट के मुताबिक, यह बोर्ड लोको पायलट को अलर्ट करने का काम करता है। इसे वहां लगाया जाता है जहां अनमैन और मैन दोनों तरह की क्रॉसिंग होती है। इस बोर्ड को क्रॉसिंग से 600 मीटर पहले लगायाा जाता है। इस बोर्ड से गुजरने पर लोको पायलट को हॉर्न देना अनिवार्य होता है और लगातार हॉर्न दिया जाता है।

इसके बोर्ड को तैयार करने के लिए पीले रंग का प्रयोग किया जाता है और उस पर काले रंग से W/L लिखा जाता है, ताकि दूर से ही यह नजर आ सके। इसे देखने के बाद ड्राइवर हॉर्न बजाकर चेतावनी देता है कि क्रॉसिंग गेट के पास खड़े लोग अलर्ट हो जाएं। आसान भाषा में समझें तो इस तरह इस बोर्ड का इस्तेमाल ड्राइवर लोगों को अलर्ट करने के लिए करता है।

रेलवे के मैन्युअल में इसे लगाने का भी अपना नियम है। नियम के मुताबिक, इस बोर्ड को जमीन से करीब 2100 एमएम की ऊंचाई पर लगाया जाता है। यहां इसके दो बोर्ड लगाए जाते हैं, पहला अंग्रेजी में और दूसरा हिन्दी में। दोनों तरह के बोर्ड का क्षेत्रफल 600 वर्ग मिलीमीटर होता है। ये एक के ऊपर एक लगे होते हैं।

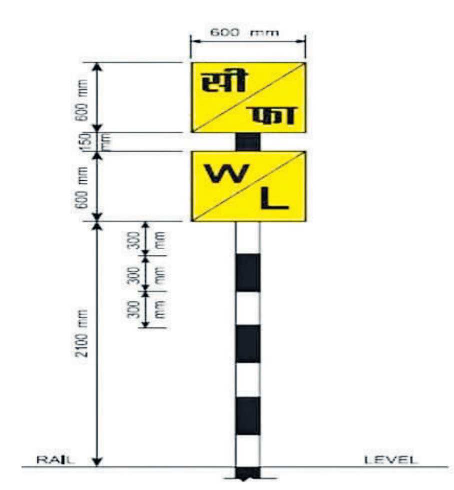

DETAILS OF WHISTLE BOARD ON THE APPROACH OF A LEVEL CROSSING

इसे हिन्दी में सी/फ लिखा होता है। इसमें सी का मतलब सीटी बजाने से है और फ का मतलब है फाटक। यह ऐसा सवाल है जिसे इंटरव्यू में भी पूछा जा सकता है। खासकर रेलवे से जुड़े भर्तियों के साक्षात्कार में।

सेना के प्लेन ही सिर्फ अलग नहीं होते, बल्कि इनका फ्यूल भी सामान्य फ्यूल से होता है अलग...

क्या आप जानते हैं जिस तरह से आर्मी के प्लेन बेहद खास होते हैं, वैसे ही उनका फ्यूल भी अलग होता है। ऐसे में आज हम आपको बताते हैं कि इनका फ्यूल कैसे होता है।

आर्मी की हर चीज सामान्य लोगों के काम में आने वाली चीजों से अलग होती है। जैसे आर्मी के ट्रक, प्लेन भी अलग होते हैं। इतना ही नहीं, इनका फ्यूल भी अलग होता है। जी हां, आर्मी के प्लेन में जो फ्यूल काम में आता है, वो नॉर्मल जेट के फ्यूल से काफी अलग होता है। ऐसे में आज हम आपको बताते हैं कि आर्मी जेट में कौनसा तेल इस्तेमाल होता है और वो किस तरह से अलग होता है।

आर्मी की हर चीज सामान्य लोगों के काम में आने वाली चीजों से अलग होती है। जैसे आर्मी के ट्रक, प्लेन भी अलग होते हैं। इतना ही नहीं, इनका फ्यूल भी अलग होता है। जी हां, आर्मी के प्लेन में जो फ्यूल काम में आता है, वो नॉर्मल जेट के फ्यूल से काफी अलग होता है। ऐसे में आज हम आपको बताते हैं कि आर्मी जेट में कौनसा तेल इस्तेमाल होता है और वो किस तरह से अलग होता है।

तीन तरह का फ्यूल

एविएशन फ्यूल यानी हवाई जहाज में डाला जाने वाला तेल। ये 4 तरह का होता है- जेट फ्यूल, एविएशन गैसोलिन, जेट बी और बायोकेरोसिन। एविएशन फ्यूल का प्रयोग खासतौर पर एयरक्राफ्ट प्रपोल्शन यानी इंजन के लिए होता है।

मिलिट्री जेट्स में कौनसा फ्यूल?

मिलिट्री जेट्स में केरोसिन-गैसोलिन मिक्सचर (Jet B) का इस्तेमाल होता है। ये वो एविएशन फ्यूल होता है जो मिलिट्री जेट्स के लिए प्रयोग होता है। यह ग्रेड जेट B जिसे JP-4 भी कहते हैं, उसका स्पेशल ब्लेंड होता है।

इसमें 65 प्रतिशत गैसोलिन और 35 प्रतिशत केरोसिन होता है। इस फ्यूल को कुछ खास क्षेत्रों में ही प्रयोग किया जाता है। इसका प्रयोग उन जगहों पर नहीं होता है जहां पर तापमान ज्यादा नहीं होता। ऐसे क्षेत्र जहां पर तापमान बहुत नीचे चला जाता है, वहां पर इस फ्यूल का प्रयोग कम से कम होता है।

क्या होता है Jet fuel?

इस तरह के फ्यूल को Jet A-1 टाइप का एविएशन फ्यूल भी कहते हैं और दुनियाभर में सिविल एविएशन में टर्बाइन इंजन के लिए इसका प्रयोग ही होता है। इस फ्यूल को सावधानीपूर्वक रिफाइन किया जाता है और यह लाइट पेट्रोलियम होता है। यह फ्यूल केरोसिन टाइप होता है। जेट A-1 को 38 डिग्री सेंटीग्रेट और -47 डिग्री सेंटीग्रेट पर रिफाइन किया जाता है। जेट A बिल्कुल उसी तरह का केरोसिन है जो सिर्फ अमेरिका में ही मिलता है।

युद्धग्रस्त यूक्रेन में फंसे छात्रों के लिए भारतीय दूतावास की अस्पष्ट सलाह किसी काम की नहीं : भगवंत मान

पीएम मोदी व उनके मंत्री वाहवाही करने के बजाय सभी छात्रों को सुरक्षित वापस लाने की अपनी जिम्मेदारी निभाएं

चंडीगढ़. आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब के अध्यक्ष और सांसद भगवंत मान ने खार्किव में भारतीय छात्र नवीन शेखरप्पा के निधन पर दुख व्यक्त किया और कहा कि युद्धग्रस्त यूक्रेन में फंसे छात्रों के लिए भारतीय दूतावास की अस्पष्ट सलाह किसी काम की नहीं है। दूतावास की अस्पष्ट सलाह और मोदी सरकार का ढुलमुल रवैया फंसे छात्रों को महंगा पड़ रहा है। मान ने कहा कि यह समय वाहवाही और राजनीति करने का नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी, विदेश मंत्रालय और भारतीय दूतावासों को जिम्मेदारी पूर्वक कार्य करना चाहिए और फंसे छात्रों को यूक्रेन के पड़ोसी देशों की सीमाओं तक पहुंचने के लिए स्पष्ट सुझाव और साधन उपलब्ध कराने चाहिए।

भगवंत मान ने कहा कि यूक्रेन के पूर्वी हिस्सों में फंसे छात्रों के लिए पश्चिमी सीमाओं तक पहुंचना असंभव है। खार्किव और सूमी जैसे शहर रूसी सीमा के पास हैं, इसलिए भारत सरकार रूस से युद्धविराम का आग्रह करे और छात्रों को निकालने के लिए बातचीत कर ठोस रास्ता निकाले। मान ने कहा कि फंसे छात्रों को बेहद कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्हें भूखे रहना पड़ रहा है। रोमानिया, पोलैंड, हंगरी और स्लोवाकिया की सीमाओं तक पहुंचने के लिए कोई साधन नहीं मिल रहा है। यूएनएससी में भारत के रूख के कारण अब छात्रों को स्थानीय लोगों के भेदभाव का भी सामना करना पड़ रहा है। मान ने कहा कि ऐसे विकट संकट के समय प्रधानमंत्री मोदी को देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव का प्रचार छोड़कर अपना पूरा ध्यान यूक्रेन में फंसे छात्रों को वापस लाने पर लगाना चाहिए।

मान ने कहा कि आम आदमी पार्टी युद्ध शुरू होने और रूसी आक्रमण के पहले से ही केंद्र सरकार से भारतीय छात्रों को मुफ्त और सुरक्षित निकालने की अपील कर रही है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के सभी बड़े नेता इस मुद्दे का हल करने के बजाय यूपी विधानसभा चुनाव अभियान में व्यस्त हैं। भाजपा नेताओं ने 20,000 छात्रों के जीवन को दांव पर लगाकर चुनाव को प्राथमिकता दी। आप नेता ने कहा कि भारतीय छात्रों के लिए यूक्रेन छोड़ने की पहली एडवाइजरी भी बहुत देर से आई। फिर निजी विमानन कंपनियों ने किराया 3 गुना बढ़ा दी लेकिन मोदी सरकार आंख मूंदे रही। जब मामला हाथ से बाहर हो गया तो वाहवाही बटोरने के लिए मोदी सरकार ने मान ने निकासी अभियान का नाम 'मिशन गंगा' नाम देकर इस मामले का राजनीतिक फायदा उठाने में लग गई। मोदी सरकार का यह रवैया बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निराशाजनक है।

मध्य प्रदेश से घटिया क्वालिटी के आलू बीज की स्टोरेज रोकने के लिए सब डिविज़न स्तर पर टीमें गठित

कपूरथला. डीसी कपूरथला दीप्ति उप्पल की तरफ से इन्दौर (मध्य प्रदेश) से ख़राब आलू (अंडर साईज) की स्टोरेज रोकने के लिए सब-डिविज़न स्तर पर समितियों का गठन किया गया है। प्रशासनिक आधिकारियों के ध्यान में आया था कि ख़राब आलू (अंडर साईज) पंजाब के कोल्ड स्टोरों में स्टोर किए जाने की सूचना मिली थी और इसको दूसरे राज्यों को पंजाब के मार्कर में पैक करके बेचा जा रहा है। उन्होंने कहा कि दूसरे राज्यों से घटिया गुण का आलू बीज पंजाब के कोल्ड स्टोरों में स्टोर किया जा रहा है और बाद में यह किसानों को दिए जाने की संभावना है। इस घटिया गुण के आलू के बीज के साथ किसानों का नुक्सान हो सकता है जिसको तुरंत रोकने के लिए सब डिविज़न स्तर पर टीमों का गठन किया गया है। डिप्टी कमिशनर की तरफ से गठित टीमें जिसके अंतर्गत कपूरथला सब-डिविज़न के लिए एस.डी.एम डा.जयइंद्र, कृषि अधिकारी सुरिन्दर सिंह,एच.डी.ओ कुलवंत सिंह शामिल है। इसी तरह फ़गवाड़ा सब डिविज़न के लिए एस.डी.एम कुलप्रीत सिंह, भूमि परख अधिकारी परमजीत सिंह,एच.डी.ओ कुलवंत सिंह शामिल है। इसी तरह सुल्तानपुर लोधी के लिए एस.डी.एम रणदीप सिंह, भूमि परख अधिकारी जसपाल सिंह और एच.डी.ओ मनप्रीत कौर को तैनात किया है। भुलत्थ सब डिविज़न के लिए एस.डी.एम शायरी मल्होत्रा, भूमि परख अधिकारी सतनाम सिंह और एच.डी.ओ मनप्रीत कौर अपने-अपने सब डिविज़न के अंदर में कोल्ड स्टोरों की जांच करेंगे। सम्बन्धित आधिकारियों को आदेश दिए गए है कि अपनी-अपनी सब डिविज़न में पड़ते कोल्ड स्टोरों की तुरंत चैकिंग करने और कोल्ड स्टोर में उक्त बीज डाले जाने की स्थिति पर कोल्ड स्टोर ख़िलाफ़ बनती कार्यवाही करके दो दिनों के अंदर रिपोर्ट पेश की जाए।

सर्व नौजवान सभा द्वारा जन कल्याण में डाला जा रहा योगदान सराहनीय : प्रदीप चट्टानी

एक जरूरतमंद व्यक्ति की आंख का करवाया आप्रेशन

फगवाड़ा. सर्व नौजवान सभा (रजि.) फगवाड़ा ने उद्योगपति जतिन्द्र सिंह कुन्दी मल्टीपल कौंसिल चेयरमैन अलायंस इंटरनेशनल के सहयोग से मासिक प्रोजैक्ट 'आओ पुण्य कमाएं' के अंतर्गत सफेद मोतीया से ग्रस्त शहर के एक जरूरतमंद व्यक्ति की आँख का आप्रेशन डा. तुषार आई अस्पताल में करवाया। इस दौरान रोगी का कुशलक्षेम जानने के लिए विशेष तौर पर पहुंचे सीवरेज बोर्ड के एस.डी.ओ. प्रदीप चट्टानी ने सर्व नौजवान सभा के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि मानवता की सेवा ही परमात्मा की वास्तविक अराधना है। सर्व नौजवान सभा जिस निष्ठा के साथ समाज सेवा के काम कर रही है उसकी चर्चा देश ही नहीं बल्कि अब तो दुनिया भर में होती है जो फगवाड़ा वासियों के लिए गौरव का विषय है। सभा के प्रधान सुखविन्द्र सिंह ने बताया कि इस व्यक्ति की आँख में सफेद मोतिया था जिस कारण नकार काफी कमकाोर हो चुकी थी। रोगी के पारिवारिक सदस्यों ने सभा से सहायता की गुहार लगाई तो आज नेत्र विशेषज्ञ डा. तुषार अग्रवाल के सौजन्य से सफल आप्रेशन कर फोलडेबल लेंस डाला गया है। उन्होंने बताया कि सर्व नौजवान सभा जरूरतमंद मरीजों को आप्रेशन के अलावा ईलाज के लिए आर्थिक सहायता भी देती है और मुफ्त दवाएं भी वितरित की जाती हैं। इस अवसर पर डा. सुलभा सिंगला, डा. विजय कुमार, डा. कुलदीप सिंह, रविन्द्र सिंह राय, जगजीत सेठ, ओंकार जगदेव, नरिन्द्र सैनी अशोक मैक, लैक्चरार हरजिन्द्र गोगना, गुरदीप सिंह तुली, हरविन्द्र सिंह, अशोक शर्मा, अनूप दुग्गल आदि उपस्थित थे।

ऑल इंडिया सिविल सर्विसेज़ लॉन टेनिस मुकाबलों के लिए ट्रायल आज

चंडीगढ़. सेंट्रल सिविल सर्विसेज़ कल्चरल एंड स्पोर्टस बोर्ड द्वारा ऑल इंडिया सिविल सर्विसेज़ लॉन टेनिस (पुरूष/ महिला) टूर्नामैंट लेक स्पोर्टस कंपलैक्स, चंडीगढ़ में 9 मार्च से 14 मार्च तक करवाया जा रहा है। इस सम्बन्ध ट्रायल सरकारी मल्टीपर्पज़ सीनियर सेकैंडरी स्कूल, पटियाला में तारीख़ 3 मार्च को प्रातःकाल 10:00 बजे निश्चित किये गए हैं। इसलिए इच्छुक खिलाड़ी सरकारी कर्मचारी (रेगुलर) अपने-अपने विभागों से एन.ओ.सी. प्राप्त करके इन ट्रायलों में भाग ले सकते हैं। इस टूर्नामैंट में आने/ जाने, रहने और खाने-पीने और आने वाले खर्च की अदायगी खिलाड़ी द्वारा निजी तौर पर की जायेगी। इसकी जानकारी खेल विभाग पंजाब के डायरैक्टर श्री परमिन्दर पाल सिंह संधू द्वारा दी गई।

10 मार्च को वोटों की गिनती को उचित ढंग से पूरा करने के लिए काऊंटिंग स्टाफ को दिया प्रशिक्षण

गिनती केंद्रों पर करीब 1170 कर्मचारी व अधिकारी किए जाएंगे तैनात : डीसी

जालंधर. ज़िले में 20 फ़रवरी को पूरी हुई वोटिंग प्रक्रिया से बाद 10 मार्च,2022 को वोटों की गिनती को उचित ढंग के साथ पूरा करने को यकीनी बनाने के लिए आज यहाँ ज़िला प्रशासकीय कंपलैक्स में सभी 9 विधान सभा हलकों के गिनती स्टाफ के लिए प्रशिक्षण सैशन करवाया गया। सैशन की अध्यक्षता करते हुए डिप्टी कमिशनर -कम -ज़िला चुनाव अधिकारी घनश्याम थोरी ने बताया कि सभी 9 गिनती केन्द्रों में 1170 के करीब कर्मचारी और अधिकारी तैनात किए जाएंगे, जिनमें 540 गिनती स्टाफ और रिटर्निंग अधिकारियों के साथ सम्बन्धित 630 कर्मी शामिल हैं। डिप्टी कमिशनर, जिनके साथ अतिरिक्त डिप्टी कमिशनर जसप्रीत सिंह और अमरजीत बैंस भी मौजूद थे, ने बताया कि सरकारी मैरीटोरियस स्कूल,सरकारी आर्टस और स्पोर्टस कालेज और दफ़्तर, डायरैक्टर लैड् रिकार्ड में गिनती केंद्र स्थापित किए गए है,जहाँ गिनती के लिए पुख़्ता प्रबंध किये गए है। उन्होंने यह भी कहा कि कोविड -19 महामारी के मद्देनज़र इस बार हर विधान सभा हलके के लिए दो गिनती हाल बनाए गए है जिससे कोविड सम्बन्धित उचित व्यवहार की सख़्ती के साथ पालना को यकीनी बनाया जा सके। उन्होंने बताया कि हर हाल में 7 टेबल होगें,तो इन काऊंटिंग टेबल पर सुपरवाइज़र,काऊंटिंग असिस्टेंट और माईक्रो अबज़रवर तैनात किए जाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि चुनाव आयोग के आदेशों अनुसार गिणती केंद्र पर उम्मीदवार या उनके प्रतिनिधि या गिनती एजंटों सहित किसी को भी मोबाईल ले जाने की आज्ञा नहीं होगी। हर राउंड की गिनती पूरी होने के बाद ही अगले दौर की गिनती शुरू होगी और हर राउंड की जानकारी चुनाव आयोग की वैबसाईट से साथ अपलोड की जाएगी।

इस दौरान ज़िला स्तरीय मास्टर ट्रेनरों की तरफ से गिनती स्टाफ को ई.वी.एमज़ से गिनती करने की पूरी प्रक्रिया के बारे में विस्तार में जानकारी देते हुए गिनती सम्बन्धित चुनाव आयोग के आदेशों से अवगत करवाया गया। इसके इलावा ई.टी.पी.बी.एस और पोस्टल बैलट पेपरों की गिनती के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया के बारे में भी विस्थारपूर्वक प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर सहायक कमिशनर (यू.टी.) ओजस्वी अलंकार, सभी रिटर्निंग अधिकारी, सहायक रिटर्निंग अधिकारी, चुनाव तहसीलदार सुखदेव सिंह, चुनाव कानून्नगो राकेश कुमार आदि मौजूद थे।

कोविड-19 के कारण 671 मृतकों के परिजनों को दिया जा चुका है एक्स-ग्रेशिया का लाभ: डिप्टी कमिश्नर

एक्स-ग्रेशिया के अंतर्गत मृतक के परिजनों को दी जा रही है 50 हजार रुपए एक्स ग्रेशिया सहायता

मृतक के परिजनों को दी जा रही है 50 हजार रुपए एक्स ग्रेशिया सहायता

होशियारपुर. डिप्टी कमिश्नर अपनीत रियात ने बताया कि जिन परिवारों में कोविड-19 के कारण किसी पारिवारिक सदस्य की मौत हुई है, उनको सरकार की ओर से 50 हजार रुपए की एक्स ग्रेशिया सहायता दी जा रही है। उन्होंने बताया कि जिले में कोविड के कारण 994 लोगों की मौत के मामले सामने आए हैं, जिनमें से 671 मृतकों के परिजनों को एक्स-ग्रेशिया का लाभ दिया जा चुका है। उन्होंने कहा कोविड के कारण मृतकों के जिन परिवारों ने एक्स ग्रेशिया का लाभ नहीं लिया वे तुरंत प्रार्थना पत्र देकर इसका लाभ लें। उन्होंने बताया कि कोविड के कारण एक्स ग्रेशिया देने संबंधी जारी की गई गाइडलाइन्स के अनुसार मौत प्रमाण पत्र संबंधी मुश्किलों को दूर करने के लिए जिला स्तर पर कमेटी का भी गठन भी किया गया है। इस कमेटी में डिप्टी कमिश्नर चेयरमैन, सिविल सर्जन कन्वीनर, सहायक कमिश्नर(शिकायतें) सदस्य, जिला राजस्व अधिकारी सदस्य, एस.एम.ओ. सिविल अस्पताल होशियारपुर सदस्य व एक विषय स्पेशलिस्ट डाक्टर(जो कि सिविल सर्जन होशियारपुर की ओर से नामित किया जाएगा) सदस्य नियुक्त किए गए हैं।

डीसी ने बताया कि माननीय सुप्रीम कोर्ट आफ इंडिया की ओर से जारी निर्देशों के अनुसार कोविड-19 के कारण मृतक व्यक्तियों के पारिवारिक सदस्यों को 50 हजार रुपए एक्स ग्रेशिया के लिए प्रार्थना पत्र आनलाइन प्राप्त करने के लिए वैब पोर्टल तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि लाभार्थी इस वैब पोर्टल पर भी आनलाइन प्रार्थना पत्र दे सकता है। उन्होंने समूह एस.डी.एम्ज को निर्देश देते हुए कहा कि वैब पोर्टल के माध्यम से एक्स ग्रेशिया संबंधी प्राप्त हुए प्रार्थना पत्र व सीधे तौर पर प्राप्त हुए प्रार्थना पत्रों पर तुरंत कार्रवाई अमल में लाई जाए ताकि तय समय में लाभार्थी को लाभ दिया जा सके।

कोर्ट कांप्लेक्स में जन उपयोगी सेवाओं के लिए नीलामी 16 मार्च को

होशियारपुर. सिविल जज(सीनियर डिविजन) होशियारपुर रुपिंदर सिंह ने बताया कि माननीय हाई कोर्ट के ज्यूडिशियल कोर्टस प्रीमाइसिस व कंपाउंड फंड नियम, 2013 के अंतर्गत इस कोर्ट कांप्लेक्स में 16 मार्च 2022 को सुबह 11.30 बजे होशियारपुर व मुकेरियां कोर्ट कांप्लेक्स के लिए कैंटीन, साइकिल/ स्कूटर/ कार पार्किंग, फार्म की दुकान, कोर्ट कांप्लेक्स दसूहा में कैंटीन, साइकिल/स्कूटर/ कार पार्किंग, फोटो स्टेट दुकान, शाप फार सनड्राई वर्करस एवं कंप्यूटर टाइपिस्ट, कोर्ट कांप्लेक्स मुकेरियां में कैंटीन साइकिल/स्कूटर/ कार पार्किंग, फार्म की दुकान, जिला कोर्ट कांप्लेक्स, होशियारपुर में फोटो स्टेट, फोटो स्टेट कम कंप्यूटर टाइपिस्ट, फोटो स्टेट कम एस.टी.डी/पी.सी.ओ, ड्राफ्टसमैन जैसी जन उपयोगी सेवाओं के लिए सार्वजनिक नीलामी की जाएगी। सिविल जज ने बताया कि क्योंकि नए ज्यूडिशियल कोर्ट कांप्लेक्स के निर्माण का कार्य सिर्फ फर्नीचर के सामान को छोडक़र लगभग मुकम्मल हो गया है, इस लिए लीज की अवधि 1 अप्रैल 2022 से 30 जून 2022 तक व कोर्ट कांप्लेक्स दसूहा के लिए जन उपयोगी सेवाओं की नीलामी के लिए लीज की अवधि 1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 तक होगी।

उन्होंने कहा कि चाहवान बोलीकार 10 हजार रुपए बयाने के तौर पर 16 मार्च 2022 को सुबह 10.30 बजे तक जमा करवा दें। उन्होंने बताया कि असफल बोलीकारों की बयाना रकम उसी दिन वापिस कर दी जाएगी। इस संबंधी अधिक जानकारी के लिए अदालत की वैबसाइट https://ecourts.gov.in/hoshiarpur/ पर संपर्क किया जा सकता है।

दर्शकों के सामने अपना 100वां टेस्ट मैच खेलेंगे विराट कोहली

भारत और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट मैच दर्शकों की मौजूदगी में खेला जाएगा

मोहाली. भारत और श्रीलंका के बीच शुक्रवार से शुरू होने वाला पहला टेस्ट मैच दर्शकों की मौजूदगी में खेला जाएगा। यह स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का 100वां टेस्ट मैच होगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने मंगलवार को बयान में कहा कि क्रिकेट प्रशंसक कोहली को 100वां टेस्ट मैच खेलने के ऐतिहासिक क्षण का गवाह बन सकते हैं। पंजाब क्रिकेट संघ (पीसीए) ने पुष्टि की कि उन्हें इस टेस्ट मैच के दौरान स्टेडियम की क्षमता के 50 प्रतिशत दर्शकों की उपस्थिति की अनुमति मिल गयी है। शाह ने बयान में कहा, 'भारत और श्रीलंका के बीच मोहाली के पंजाब क्रिकेट स्टेडियम में होने वाला पहला टेस्ट मैच खाली स्टेडियम में नहीं खेला जाएगा।'

उन्होंने कहा, 'राज्य क्रिकेट संघ ने दर्शकों को स्टेडियम में आने की अनुमति देने का निर्णय किया है और वर्तमान परिस्थितियों में यह विभिन्न कारकों पर आधारित है। मैंने पीसीए पदाधिकारियों से बात की है और उन्होंने पुष्टि की है कि क्रिकेट प्रशंसक विराट कोहली के 100वें टेस्ट मैच के ऐतिहासिक क्षण को देख पाएंगे।' बीसीसीआई सचिव ने कहा, 'मैं वास्तव में विराट कोहली के 100वें टेस्ट मैच को लेकर उत्साहित हूं और अपने चैंपियन क्रिकेटर को शुभकामनाएं देता हूं।'

पीसीए कोषाध्यक्ष आरपी सिनोला ने पीटीआई से कहा, 'बीसीसीआई ने हमें आगामी टेस्ट मैच के दौरान स्टेडियम की क्षमता के 50 प्रतिशत दर्शकों को अनुमति देने के लिये कहा है।' उन्होंने कहा, 'बीसीसीआई कोषाध्यक्ष अरुण धूमल ने हमें बताया कि 50 प्रतिशत दर्शकों को अनुमति दी जाएगी और अब हम आवश्यक तैयारियां कर रहे हैं। हम कल से टिकटों की ऑनलाइन बिक्री शुरू कर देंगे।' इससे पहले इस मैच में दर्शकों के बिना खाली स्टेडियम में आयोजित करने का निर्णय लिया गया था।

फोटो-बीसीसीआई

कल से शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज में ऐसी हो सकती है टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन

फोटो-बीसीसीआई

मुंबई. भारत और श्रीलंका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज़ का पहला मुकाबला 4 मार्च से खेला जाएगा। कप्तान रोहित शर्मा और पूर्व कप्तान विराट कोहली, दोनों के लिए ही यह मुकाबला बेहद खास है. दरअसल, कोहली का तो यह 100वां टेस्ट है। वहीं रोहित शर्मा पहली बार टेस्ट टीम की कमान संभालेंगे. आइये जानें कि इस मैच में टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन क्या हो सकती है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज़ में सीनियर बल्लेबाज़ चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे टीम का हिस्सा नहीं हैं। वहीं चोट के कारण केएल राहुल, वाशिंगटन सुंदर और अक्षर पटेल सीरीज से दूर हैं। ऐसे में श्रीलंका के खिलाफ मोहाली के मैदान में हमें एक नई टीम मैदान पर दिख सकती है। हालांकि, कप्तान रोहित शर्मा के लिए 11 खिलाड़ियों का चयन काफी मुश्किल रहने वाला है।

श्रीलंका के खिलाफ इस टेस्ट सीरीज के लिए टीम में कप्तान रोहित के अलावा तीन अन्य ओपनर हैं। इसमें मयंक अग्रवाल, प्रियांक पांचाल और शुभमन गिल का नाम है। हालांकि, पहले टेस्ट में रोहित शर्मा के साथ मयंक अग्रवाल पारी का आगाज़ कर सकते हैं। इसके बाद तीन नंबर पर शुभमन गिल को मौका दिया जा सकता है। हालांकि, हनुमा विहारी भी तीन नंबर पर खेलने के दावेदार हैं।

मिडिल ऑर्डर में विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत और रविंद्र जडेजा का खेलना तय है। गेंदबाजी विभाग में सीनियर ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन के साथ साथ युवा स्पिनर सौरभ कुमार को मौका मिलने की संभावना है। तेज गेंदबाजी में मोहम्मद शमी और जसप्रीत बुमराह होंगे। भारत की संभावित प्लेइंग इलेवन- रोहित शर्मा (कप्तान), मयंक अग्रवाल, शुभमन गिल/हनुमा विहारी, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रविंद्र जडेजा, आर अश्विन, सौरभ कुमार, मोहम्मद शमी और जसप्रीत बुमराह।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.